

मिल गया तेरे दर पे आकर

मिल गया तेरे दर पे आकर जो कभी सोचा न था,
हो गया वो मुझको हासिल जिसके मैं काबिल न था,
मिल गया तेरे दर पे आकर जो कभी सोचा न था,
हरी हरी बोलो हरी बोलो

हो गया एहसास मुझको बंदगी क्या चीज है,
तुमने हिरदये में लगाया हरी नाम का बीज है,
चैन से सोने लगा हु पहले मैं सोता न था.
मिल गया तेरे दर पे आकर जो कभी सोचा न था,

तेरे दर पे आके दाता बन गई पहचान है,
भूल पाउ न उम्र भर जो किया एहसान है,
याद करके मैं प्रभु को,
स कदर रोता न था
मिल गया तेरे दर पे आकर जो कभी सोचा न था,

कच्चा धागा हु प्रभु जी तोडा न देना मुझे,
छूट जाये प्राण तन से छोड़ न देना मुझे,
धो दिये सब पाप तुम ने जो कोई धोता न था,
मिल गया तेरे दर पे आकर जो कभी सोचा न था,

<https://www.bharattemples.com/mil-geya-tere-dar-pe-aakar-jo-kabhu-socha-na-tha/>



Bharat Temples

Complete Bhajans Collections - Download Free Android App

<https://play.google.com/store/apps/details?id=com.numetive.bhajans>

Facebook: <https://www.facebook.com/bharattemples/>

Telegram: <https://t.me/bharattemples>

Youtube: <https://www.youtube.com/channel/UC24oJCxZJyhhKzSUD-Lt9Tw>